ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

भारत और समकालीन विश्व - 2

अध्याय - 1

यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय

भाग - 1

Pritesh Joshi

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





फ्रेडिरिक सॉरयू

विश्व की प्रजातांत्रिक और सामाजिक गणराज्यों का स्वप्न-राष्ट्रों के बीच संधि, 1848

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- 1848 में एक फ्रांसीसी कलाकार फ्रेड्रिक सॉरयू ने चार चित्रों की एक श्रृंखला बनायी जिसमें उसने सपनों का एक संसार रचा जो उसके शब्दों में – 'जनतांत्रिक और सामाजिक गणतंत्रों' से मिलकर बना था।
- इस श्रृंखला के पहले चित्र में यूरोप और अमेरिका के लोग दिखाये गये हैं।
- इसमें सभी उम्र और सामाजिक वर्गों के स्त्री, पुरूष एक लंबी कतार में स्वतंत्रता की प्रतिमा की वंदना करते हुए जा रहे हैं।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



केन्द्रीकृत
सैन्य बल
दमनकारी

निरकुंशवाद – ऐसी सरकार या शासन व्यवस्था जिसकी सत्ता पर किसी प्रकार का कोई अंकुश नहीं होता। इतिहास में ऐसे राजशाही सरकारों को निरकुंश कहा जाता है जो अत्यंत केन्द्रीकृत सैन्य बल पर आधारित और दमनकारी सरकारें होती थी।

कल्पनादर्श (यूटोपिया) – एक ऐसे समाज की कल्पना जो इतनी आदर्शवान हो कि उसका साकार होना लगभग असंभव होता है।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





स्वतंत्र राष्ट्र-राज्य

- सॉरयू के कल्पनादर्श (यूटोपिया) में दुनिया के लोग अलग राष्ट्रों के समूह में बंटे हुए थे जिनकी पहचान उनके कपड़ों ओर राष्ट्रीय पोशाक से होती है।

1. स्वतंत्रता की मूर्ति से कहीं आगे इस जुलूस का नेतृत्व कर रहे हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका और स्विट्जरलैंड जो तब तक राष्ट्र राज्य बन चुके थे।
2. फ्रांस क्रांतिवादी तिरंगे से पहचाना जा सकता है। प्रतिमा के पास अभी अभी पहुंचा है।
3. उसके पीछे जर्मनी के लोग हैं जो काला, लाल और सुनहरा झंडा थामे हैं।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- क्योंकि जिस समय सॉरयू ने यह छवि निर्मित की, जर्मन लोग तब तक एक संयुक्त राष्ट्र का हिस्सा नहीं बने थे।
- जो झंडा वे थामे हुए थे, वह 1848 की उदारवादी उम्मीदों की अभिव्यक्ति है जिसमें अनेक जर्मन-भाषी रियासतों को एक प्रजातांत्रिक संविधान के अंतर्गत एव राष्ट्र राज्य में गठित करने की चाह था।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संयुक्त, स्तर्य, फ्रांस्य



4. जर्मन लोगों के बाद
   (i) आस्ट्रिया
   (ii) दो सिसिलियों की राजशाही
   (इटली के पास द्वीप)
   (iii) लॉम्बार्डी
   (iv) पौलेंड
   (v) इंग्लैंड
   (vi) आयरलैण्ड
   (vii) हंगरी
   (viii) रूस के लोग हैं।

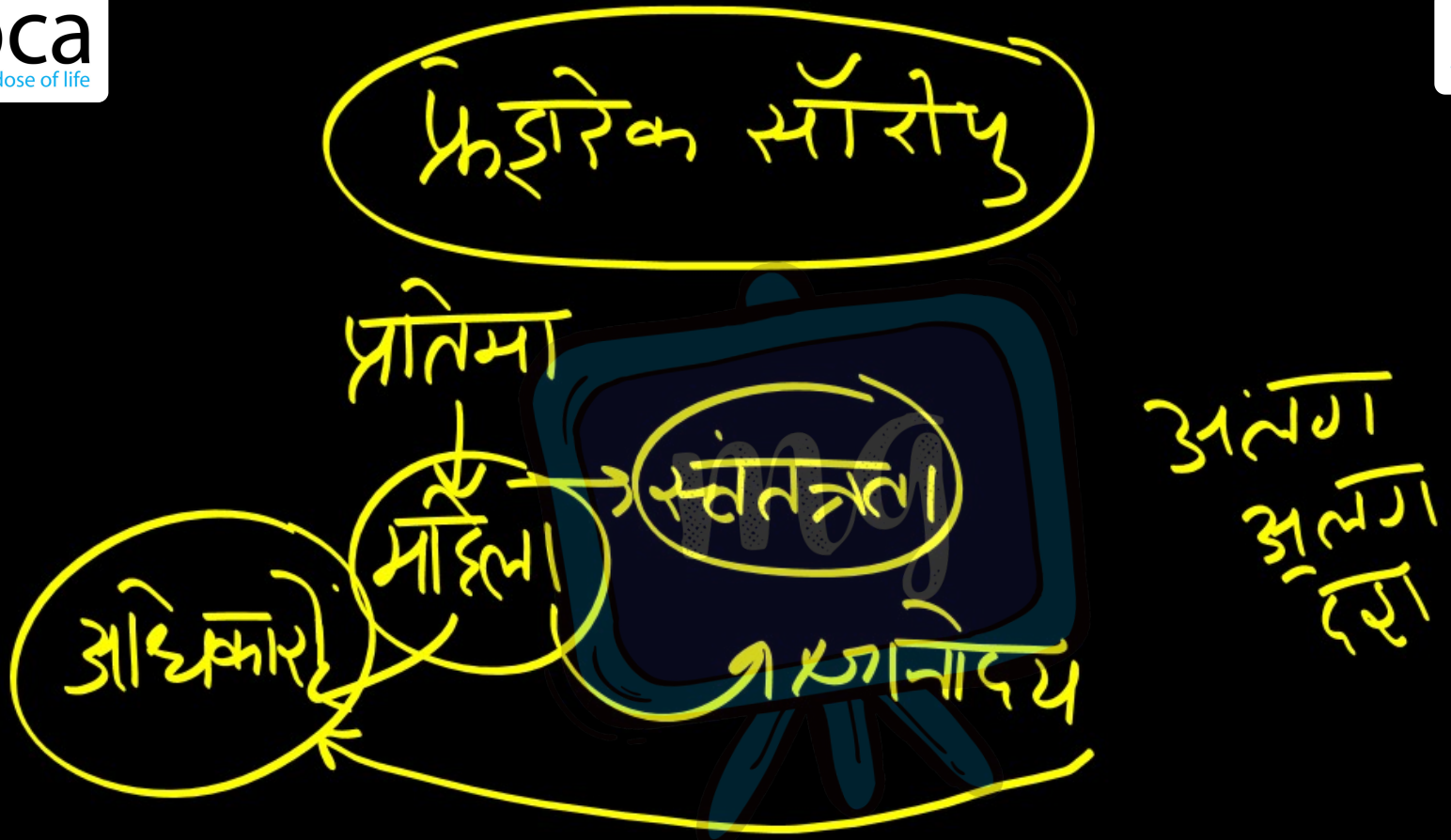
ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ऊपर स्वर्ग से ईसा मसीह, संत और फरिश्ते इस दृश्य पर अपनी नजरें जमाये हुए हैं।
- चित्रकार ने उनका इस्तेमाल दुनिया के राष्ट्रों के बीच भाई चारे के प्रतीक के रूप में किया है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अलग
अलग
दो

ipca
A dose of life

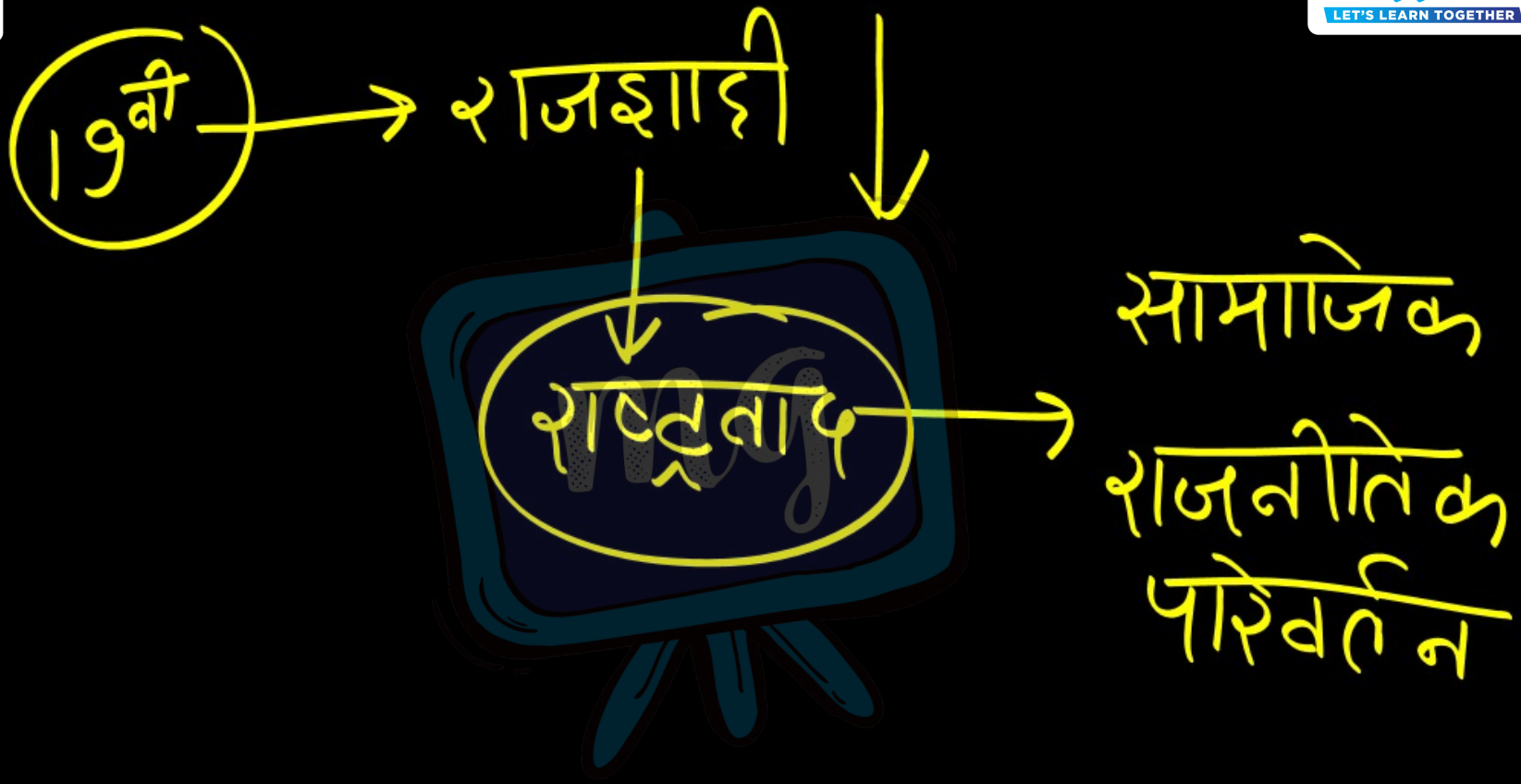
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 19वीं सदी के दौरान राष्ट्रवाद एक ऐसी ताकत बन कर उभरा जिसने यूरोप के राजनीतिक और मानसिक जगत में भारी परिवर्तन ला दिये।
- इन परिवर्तनों से अंततः यूरोप के बहु राष्ट्रीय वंशीय साम्राज्यों के स्थान पर राष्ट्र राज्य का उदय हुआ।
- यूरोप में लंबे समय से एक ऐसे आधुनिक राज्य की गतिविधियों और विचार विकसित हो रहे थे जिनमें स्पष्ट रूप से परिभाषित क्षेत्र पर प्रभुसत्ता एक केन्द्रीय शक्ति की थी।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्र राज्य

- सामूहिक पहचान
- एक इतिहास

- जबकि राष्ट्र राज्य में न केवल उसके शासकों बल्कि उसके अधिकांश नागरिकों में एक साझा पहचान का भाव और साझा इतिहास या विरासत की भावना थी।
- साझेपन की यह भावना अनंत काल से नहीं थी यह संघर्षों और नेताओं तथा आम लोगों की सरगर्मियों से निर्मित हुई थी।
- अत: यह लंबे समय तक किये गये आंदोलनों तथा उसमें नेतृत्व करने वाले नेताओं तथा आम जनता के द्वारा राष्ट्र राज्य की कल्पना साकार हुई थी।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q. फ्रेडरिक सॉरयु कौन था?

Q. अर्नेस्ट रेनन कौन था?

Q. रेनन के अनुसार राष्ट्र क्या है?

Q. 19वी शताब्दी के बाद राष्ट्रवाद के तौर पर क्या परिवर्तन आए?

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q. निरंकुशवाद ?

Q. काल्पनावाद (Utopia) ?



ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

19 → राष्ट्रवाद

फ्रांस क्रांति राजशाही

क्रांति के बाद :-

- प्रारम्भ से ही फ्रांसीसी क्रांतिकारियों ने ऐसे अनेक कदम उठाये जिससे फ्रांसीसी लोगों में एक सामुहिक पहचान की भावना पैदा हो सकती थी।
- पितृभूमि और नागरिक जैसे विचारों ने एक संयुक्त समुदाय के विचार पर बल दिया जिन्हें एक संविधान के अन्तर्गत समान अधिकार प्राप्त थे।
- एक नया फ्रांसीसी तिरंगा झंडा चुना गया जिसने पहले के राजध्वज की जगह ले ली।
- इस्टेट जनरल का नाम बदलकर 'नेशनल एसेंबली' कर दिया गया।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भाषा

देश भाषा

फ्रेंच

- नई स्तुतियां रची गयी, शपथें ली गयी, शहीदों का गुणगान हुआ – और यह सब राष्ट्र के नाम पर हुआ।
- एक केन्द्रीय प्रशासनिक व्यवस्था लागू की गयी जिसने सभी नागरिकों के लिए समान कानून बनाये।
- आंतरिक आयात-निर्यात शुल्क समाप्त कर दिये गये।
- भार तथा नापने की एक समान व्यवस्था लागू की गयी।
- क्षेत्रीय बोलियों को हतोत्साहित कर पेरिस में फ्रेंच को ही बोला और लिखा जाने लगा, यही राष्ट्र की साझा भाषा बन गई।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. क्रांति के बाद सार्वभौमिक
पहचान के रूप में आए ?

1. पितृभूमि + नागरिक
2. केन्द्रीकृत
3. झंडा
4. फ्रेंच
5. शहीद
6. राष्ट्रगान